शहर की दूध डेयरियों पर बेची जा रही अमानक सामग्री

अधिकारी नहीं करते दुकानों पर जाकर जांच

ठोस जांच -पड़ताल नहीं होने से चल रहा गोरख धंधा

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। जिले में इन दिनों एक बड़ा और गंभीर सवाल आम जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बड़ी-बड़ी दूध डेयरी और ब्रांडेड कंपनियां रोजाना हजारों लीटर दूध की सप्लाई कर रही हैं, लेकिन अब तक इसकी कोई ठोस जांच-पड़ताल क्यों नहीं की जाती है क्या प्रशासन, खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियां आंख मूंदकर सब कुछ देखने की आदी हो चुकी हैं। जिसका लाभ दूध डेयरी संचालक उठा रहे है। और ग्राहक मिलावटी दूध का उपयोग कर बीमारियों को बुलावा दे रहे है।

जिले की भौगोलिक स्थिति और पशुधन आंकड़ों पर नजर डालें तो यह सवाल और भी चौंकाने वाला बन जाता है। जिले में ना तो इतनी बड़ी डेयरी फार्मिंग यूनिट्स हैं और न ही उत्तनी संख्या में दुधारू पशु, जितना दूध रोज बाजार में खपाया जा रहा है। इसके बावजूद ब्रांडेड कंपनियों के दूध, देशी घी, पनीर, दही हर गली-मोहल्ले में धड़ल्ले से बिक रहे हैं। सवाल यह है इतना सारा दूध आखिर आ कहां से रहा है स्थानीय दुग्ध उत्पाद कों का कहना है कि वे खुद सीमित मात्रा में ही दूध उत्पादन कर पा रहे हैं। कई छोटे किसान तो लागत भी नहीं निकाल पा रहे, जबकि बाजार में दूध की कोई कमी दिखाई नहीं देती। क्या यह संकेत नहीं देता कि कहीं न कहीं मिलावटी दूध, पाउडर से तैयार दूध या रासायनिक तरीकों से बनाए गए दुग्ध उत्पादों की सप्लाई हो रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा न तो नियमित सैंपलिंग की गई और न ही किसी बड़ी ब्रांडेड कंपनी के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कोई जांच रिपोर्ट सामने आई क्या ब्रांडेड नाम होने से कानून से छूट मिल जाती है। देशी घी के नाम पर बिकने वाला घी, पनीर की आड़ में विक रहा सिंथेटिक पदार्थ, दही और मठा में इस्तेमाल हो रहे संदिग्ध केमिकल ये सिर्फ आशंकाएं नहीं हैं, बल्कि देश के कई हिस्सों में पहले ही ऐसे खुलासे हो चुके हैं। फिर टीकमगढ़ में ऐसा क्या खास है कि यहां सब कुछ सुरक्षित। मान लिया गया दूध और उससे बने उत्पाद बच्चे, बुजुर्गों और बीमार लोगों की रोजमर्रा की जरूरत हैं।

अगर इनमें मिलावट हो, तो इसका असर सीधा लोगों की सेहत पर पड़ता है किडनी, लीवर, पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम तक को नुकसान पहुंच सकता है। फिर भी जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। जरूरत है कि टीकमगढ़ में सप्लाई हो रहे हर बड़े डेयरी ब्रांड, दूध कलेक्शन सेंटर और दुग्ध उत्पाद यूनिट की सख्त जांच हो। दूध का स्रोत क्या है, उत्पादन कहां हो रहा है, गुणवता मानकों का पालन श्री स्वा है या नहीं इन सभी बिंदुओं पर पारदर्शी जांच अनिवार्य है।

सिर्फ ब्रांडेड पैकिंग और बड़े नामों के भरोसे सेहत की दांव पर नहीं लगाया जा सकता। अगर समय रहते जांच नहीं हुई, तो यह लापरवाही आने वाले समय में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। सवाल साफ है दूध सफेद है, लेकिन क्या इसकी सच्चाई भी उतनी ही साफ है। टीकमगढ जिले में दूध मक्खन घी और पनीर की आसान उपलब्धता ने शुद्धता पर सवाल खड़े कर दिए है। घी और मक्खन के दाम अलग-अलग है-बड़ी दुकानों और फेरी वालों की कीमतों में भारी अंतर है।

बुजुर्गों की सेहत हो रही प्रभावित

पनीर के नाम पर नकली उत्पाद बिकने की शिकायतें आम हो गई है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत प्रभावित हो रही है। बावजूद इसके, खाद्य विभाग को ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आज तक किसी बड़ी डेयरी पर ठोस कार्यवाही की बात नहीं आई है। इसका मतलब यह है कि टीकमगढ में दुग्ध उत्पाद बेहद शुद्ध आ रहे है और दुग्ध उत्पादों की कोई कमी भी नहीं है। त्यौहारों पर हजारों किलो मिठाईया शुद्ध दूध से ही बनती है क्योंकि खाद्य विभाग की टीम जांच करने तो जाती है परंतु कभी मक्खन, घी, पनीर के सैम्पल की व्यापक जांच कभी सार्वजनिक नहीं की गई।

जांच के नाम पर चल रही गड़बड़ी

त्यौहारों के पहले अधिकारियों का दल जांच के नाम पर सैम्पल तो कलेक्ट करता है परंतु जांच रिपोर्ट आने तक बाजार का खेल खत्म हो जाता है और आम जनता अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करवा लेती है। विभाग की रिपोर्ट कब आती है और कब जाती है। यह सिर्फ दस्तावेजों में सिमटकर रह जाता है। दूध और दुग्ध उत्पादों के स्त्रोत, कीमतों में अंतर ओर गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच की रिपोर्ट अगर सार्वजनिक की जाए तो जिले में बिक रहा दूध और उसके उत्पादन सच में सेहतमंद है या सिर्फ आसानी से उपलब्धता के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है। यह बड़ा सवाल है।

एक नजर में

आगामी 5 दिनों तक गर्म हवा की संभावना

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। आगामी 5 दिनों के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क रहने तथा गर्म हवायें चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 42 से 43 डि.से. के आस-पास तथा रात का न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिसे के आस-पास रहने की संभावना है। हवा की औसत गति 03 से 09 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना हैं।

आगामी 5 दिनों के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क रहने तथा गर्म हवायें चलने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, किसान भाई सब्जियों, मूंग आदि फसलों तथा फलों के बगीचों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें। मूंग में रसचूसक कीट का प्रकोप देखा जा रहा है, अत: किसान भाई फसल का निरीक्षण करें तथा पाये जाने पर बचाव हेतु, इमिडाक्लोप्रिड दवा की 0.5 मिली लीटर दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। नवीन उधानिकी में लगाये गए पौधों को गर्म हवाओं से बचाने के लिए मल्चिंग करें एवं पौधों के चारों ओर घास से कवर करें एवं सिंचाई करें। वर्तमान मौसम में टमाटर तथा बैगन में फल तथा तना छेदक कीट का प्रकोप देखा जा रहा है, इससे बचाव हेतु क्नालफास 25 ईसी दवा की 2.0 मिलीलीटर मात्रा एक लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।

दिन और रात के तापमान में हो रही वृद्धि

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। दिन और रात के तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो गुरुवार के 41.5 डिग्री से 1.3 डिग्री अधिक है। वहीं, रात का न्यूनतम तापमान भी 23.6 डिग्री से बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के कारण शुस्त्र5वार दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। कलेक्टर के आदेश पर सभी स्कूल सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित हुए। दोपहर में छुट्टी के बाद घर लौटते समय बच्चों को तेज धूप का सामना करना पड़ा।मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक दिन और रात के तापमान में वृद्धि जारी रहेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिलगातार बढ़ते तापमान के कारण सुबह 10 बजे के बाद ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं। रात का तापमान बढ़ने से अब दिन के साथ-साथ रात में भी लोगों को अधिक गर्मी महसूस हो रही है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार को अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री था। बुधवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि गुरुवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहा। दिन और रात के तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो गुरुवार के 41.5 डिग्री से 1.3 डिग्री अधिक है।

किन्नर समाज ने शोभायात्रा में किया जगह-जगह नृत्य

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। किन्नर समाज ने शहर में शोभायात्रा निकाली। इस दौरान भोपाल से आईं काजल किन्नर के साथ प्रदेश के अन्य जिलों से आए किन्नरों ने जगह-जगह नृत्य किया। शोभायात्रा नजर बाग मंदिर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना के बाद देवी मंदिर में पीतल का घंटा भेंट किया गया। काजल किन्नर ने बताया कि किन्नर समाज में कई लोग भटककर मुस्लिम धर्म अपना रहे हैं।

इसे रोकने के लिए किन्नर समाज लगातार प्रयास कर रहा है। उनका उद्देश्य ज्यादातर किन्नरों को सनातन धर्म से जोड़ना है।काजल किन्नर ने कहा कि सनातन धर्म ही देश में प्राचीन परंपरा से चला आ रहा है। उनका प्रयास है कि किन्नर सनातन धर्म अपनाकर हिंदू परंपरा के तहत अपना भरण-पोषण करें।उन्होंने यह भी बताया कि अगले महीने भोपाल में किन्नर समाज का एक विशाल आयोजन होने जा रहा है।

इसमें प्रदेश के अलावा देश के अन्य राज्यों से करीब ढाई हजार से अधिक किन्नर शामिल होंगे।शुक्रवार रात नजर बाग मंदिर परिसर में किन्नर समाज के

लोगों ने जमकर नृत्य किया। उन्होंने देवी मां की आरती उतारी और पूजा-अर्चना की। मंदिर में घंटा भेंट करते हुए समाज की सुख-समृद्धि के लिए कामना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग नजर बाग मंदिर में मौजूद रहे।

23 को रोजगार मेला

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। जिले के वेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के सहयोग से शास. आईटीआई में 23 अप्रैल को प्रात: 11 बजे से युवा संगम, रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

विभिन्न पदों पर रोजगार प्रदान किये जाने हेतु साक्षात्कार लिये जायेंगे। उक्त युवा संगम, रोजगार मेले में जिले के समस्त वेरोजगार युवा अपने समस्त प्रमाण पत्रों, समग्र आई.डी. सहित उपस्थित होकर देश-प्रदेश की जानी मानी निजी कम्पनियों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

28 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां

नवभारत न्यूज, खरगापुर। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा द्वारा वीर शिरोमणि राजा हिरदेशाह की स्मृति में 28 अप्रैल को जंबूरी मैदान में आयोजित होने वाली शौर्य यात्रा एवं विशाल कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जैन सड्डा अड्डा पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

प्रेस वार्ता में महासभा के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपूत मैडी बाबा ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1842 की बुंदेला क्रांति देश के स्वतंत्रता संग्राम का एक अहम अध्याय है, जिसमें बुंदेला, राजगौड़, आदिवासी सहित अन्य वीर राजाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोला था। उन्होंने कहा कि इस क्रांति में राजा हिरदेशाह की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अंग्रेजों ने उनकी वीरता और बढ़ते प्रभाव से घबराकर उन पर उस समय 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था, जो उस दौर में बहुत बड़ी राशि मानी जाती थी।

जिला मुख्यालय पर होगी प्रवेश परीक्षा

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संम्भागीय मुख्यालय पर संचालित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 6वीं में प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश परीक्षा जिला मुख्यालय टीकमगढ़ पर 19 अप्रैल 2026 को प्रात: 10 बजे से दोपहर एक बजे तक परीक्षा केन्द्र शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय कमांक-2 में आयोजित की जायेगी।

परीक्षा के माध्यम से ज्ञानोदय विद्यालयों में प्रवेशित विद्यार्थियों को शासन द्वारा नि:शुल्क शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ आवासीय सुविधा उपलब्ध करवायी जाती हैं। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 6वीं में प्रवेश परीक्षा में जिले से कुल 225 छात्र-छात्रायें सम्मिलित होना है।

वाहन क्रॉसिंग विवाद को लेकर डॉक्टर से मारपीट

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। नए बस स्टैंड स्थित मुखर्जी चौराहे पर शुक्रवार देर शाम वाहन क्रॉसिंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया, जिसमें एक डॉक्टर के सिर में चोट आई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज शनिवार को सामने आया है।

सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि कार सवार तीन लोग एक युवक के साथ मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने कार सवारों पर हमला किया। विवाद के दौरान गाड़ी से बंदूक निकालने की बात भी सामने आई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने तुरंत हस्तक्षेप कर बंदूक छुड़ाने का प्रयास किया। मारपीट में कार सवार डॉ. अभिषेक सोलंकी के सिर में चोट लगी, जिन्हें जिला अस्पताल में

भर्ती कराया गया और उनका एमएलसी मेडिको-लीगल केस कराया गया। दूसरे पक्ष के राजा राय को भी चोटें आईं और उनका भी मेडिकल परीक्षण किया गया। देर रात 11 बजे तक जिला अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग कोतवाली पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। पुलिस को स्थिति संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। कोतवाली टीआई रवि भूषण पाठक ने बताया कि डॉ. अभिषेक सोलंकी की रिपोर्ट पर 5-6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी जांच की जा रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ जारी है। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया, जिसमें एक डॉक्टर के सिर में चोट आई।

महिला एवं उसके 2 साल के पुत्र का मिला कुएं में शव

मायके पक्ष ने हत्या करने के लगाए आरोप

पुलिस ने दोनों शवों का कराया पोस्टमार्टम

नवभारत न्यूज, खरगापुर। बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के भेलसी गांव में एक महिला और उसके दो साल के बेटे शव कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। शुक्रवार शाम ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इस घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। आज शनिवार को दोनों का पीएम कराया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम भेलसी निवासी काशीबाई 28 पत्नी राहुल लोधी और उनके दो साल के पुत्र

अभिराज के शव गांव के एक कुएं में मिले। बल्देवगढ़ थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे मृतका के भाई सुंदर लोधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बहन और भांजे की हत्या कर कुएं में फेंका गया है। उन्होंने बताया कि बहन के चेहरे पर चोट के निशान थे और पति राहुल लोधी सहित ससुराल पक्ष के लोग अक्सर उसके साथ मारपीट करते थे।पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रात होने और डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण शवों को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया। शनिवार को दोनों का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी चंदन सिंह शाक्य, खरगापुर थाना प्रभारी अंबर सिकरवार और एसडीओपी राहुल कटरे मौके पर पहुंचे। एसडीओपी राहुल कटरे ने बताया कि मामला संदिग्ध है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने दोषियों को बख्शा नहीं जाने का आश्वासन दिया। बताया जा रहा है कि 13 अप्रैल को महिला ने पति और परिजनों के खिलाफ मारपीट की शिकायत थाने में की थी।

वहीं परिजनों का आरोप है कि गुमशुदगी की सूचना देने पर भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के भेलसी गांव में एक महिला और उसके दो साल के बेटे शव कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले हैं। शुक्रवार शाम ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वीडियो | मोहनगढ़ क्षेत्र की शराब कंपनी से जुड़ा है मामला

कंपनी के कर्मचारियों का अवैध शराब बेचते वीडियो वायरल

नवभारत न्यूज, मोहनगढ़। वर्ष 2026, 27 के लिए शराब कंपनियों के ठेके बदलते ही शराब कंपनी के लोगों के द्वारा गांव गांव तक अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। कंपनी के कर्मचारी मोहनगढ़ में अवैध शराब माफिया बेखौफ नजर आ रहा है। ग्रामीण अंचलों में शराब कारोबार का नया तरीका सामने आया अब शराब कंपनी के लोग बाइक पर पेटी लादकर खुलेआम शराब घर-घर तक पहुंचा रहे है।

हाल ही में सामने आए एक वायरल वीडियो ने न सिर्फ प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर किया, बल्कि यह भी दिखा दिया कि किस तरह यह धंधा अब बेखौफ तरीके से चल रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि रंग-बिरंगे कपड़े

पहने युवक बाइक पर शराब की पेटियां लादे हुए गांव-गांव में सप्लाई करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक दर्जन से अधिक शराब की पेटियां बाइक पर रखी हुई दिख रही हैं, और दूसरा युवक घर घर शराब की पेटियां ले जा रहे हैं। जब मीडिया ने इन युवाओं से पूछताछ की तो उनका जवाब चौंकाने वाला था।

उन्होंने साफ कहा कि 'हम कंपनी के आदमी हैं, कमीशन पर गांवों में शराब सप्लाई करते हैं। यह जवाब इस बात की तस्दीक करता है कि कानून का डर इन कारोबारियों में खत्म हो चुका है और वे पूरी तरह से सिस्टम की कमजोरी का फायदा उठा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि मोहनगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत शराब की मोहनगढ़ तिगैला,गोर, मोहनगढ़ और नंदनबारा में दुकान संचालित हैं जिसे ग्रामीण क्षेत्र के गांव से लेकर माजरा टोलों तक शराब कंपनी के लोगों द्वारा बगैर नंबर प्लेट की बाइकों पर शराब की पेटियां लादकर अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। अब इस अवैध शराब धंधे में महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है। वे अपने घरों से ही शराब की 2-4 पेटियां बेचकर रोजाना हजार-दो हजार रुपए तक कमा रही हैं।

इस काली कमाई से न केवल उनके परिवार की आमदनी में इजाफा हो रहा है, बल्कि शराब माफियाओं और ठेकेदारों की जेबें भी दिन-प्रतिदिन भारी होती जा रही हैं। इस वायरल वीडियो के सामने आने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई भी ठोस कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

तस्वीरें सामने आने के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

ग्रामीणों का कहना है कि जब इस तरह की तस्वीरों पर भी एक्शन नहीं हो रहा, तो आम जनता की शिकायतें कौन सुनेगा। लोगों का यह भी मानना है कि अवैध शराब के इस खेल में कहीं न कहीं अधिकारियों की मिलीभगत भी है, तभी यह कारोबार दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इस अवैध शराब की उपलब्धता का सबसे बड़ा नुकसान गांव के युवाओं को हो रहा है। कई छात्र नशे की गिरफ्त में आकर अपनी पढ़ाई छोड़ चुके हैं।

आज छिपरी धाम में होंगे कन्या विवाह

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाय योजनांतर्गत सामूहिक विवाह आयोजन आज अक्षय तृतीया को शारदा मंदिर मातृ धाम ग्राम छिपरी जनपद पंचायत जतारा में किया जाना प्रस्तावित है।

सामूहिक विवाह में शामिल होने हेतु आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज होना आवश्यक है, जिसमें कन्या मप्र. की निवासी हो दस्तावेज अनुसार दस्तावेज, कन्या एवं उनका परिवार बीपीएल सूची में सम्मलित हो एवं बीपीएल पोर्टल पर सत्यापित हो, विवाह कन्या की आयु 18 वर्ष एवं बर की आयु 21 बर्ष पूर्ण हो चुकी हो दस्तावेज, विवाह पूर्व से विवाहित न हो। परित्यकता, तलाकसुदा होने की स्थिति में मा. न्यायालय द्वारा जारी तलाकनामा, कल्याणी विवाही होने की स्थिति में पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र अनिवार्य है।

ऑनलाइन नि :शुल्क प्रवेश की बढ़ाई अवधि

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत ऑनलाइन नि:शुल्क प्रवेश हेतु अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। आवेदक नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश हेतु 2 अप्रैल को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया था।

आवंटन उपरांत पालकों को 15 अप्रैल तक अपने बच्चों का आवंटित विद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिन बच्चों द्वारा प्रवेश नही लिया गया है,उनको एस.एम.एस के माध्यम से सूचना भी प्रदान की गयी थी। उक्त अवधि में अधिकांश बच्चों द्वारा प्रदेश प्राप्त कर लिया गया है। तथापि कुछ पालकों द्वारा अवगत कराया गया है कि वे विभिन्न कारणों से निर्धारित अंतिम तिथि तक प्रवेश नहीं ले सके, जबकि वे अपने बच्चे का प्रवेश कराना चाहते है। छात्र हित को दृष्टिगत रखते हुए, प्रथम चरण में आवंटित विद्यालय में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल से बढाकर 25 अप्रैल तक की जाती है। साथ ही, यदि किसी पालक से यह शिकायत प्राप्त होती है कि उनके बच्चे को आवंटित विद्यालय द्वारा प्रवेश प्रदान नही किया जा रहा है, तो संबंधित विकासखंड स्त्रोत समन्वयक तथा जिला परियोजना समन्वयक तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अशासकीय विद्यालय के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही एवं संबंधित बच्चें को आवंटित विद्यालय में प्रवेश दिलाना सुनिश्चित करें। जिले स्तर से इसकी दैनिक समीक्षा भी की जाये ताकि पात्र बच्चा वंचित न रहे।